



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

PUBLISHED BY AUTHORITY

प्राधिकार से प्रकाशित

सं. 124]  
No. 124]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जुलाई 3, 1980/आषाढ़ 12, 1902  
NEW DELHI, THURSDAY, JULY 3, 1980/ASADHA 12, 1902

इस भाग में भिन्न वृष्टि संदर्भ वा उपायी है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

वित्त वंचालक

(आधिकारिक विभाग)

विविधान

नई दिल्ली, 3 जुलाई, 1980

सं. एक० 4 (5)-बदल्य० एक० ८०—६.५० प्रतिशत अरण, 1990,  
7 प्रतिशत अरण, 1998 (दूसरा निर्गम) और 7.५० प्रतिशत अरण,  
2010 (दूसरा निर्गम) के लिए 18 जुलाई 1980 से अधिदान स्वीकार  
किये जायेंगे। अधिदान नकदी में वा भारत सरकार के ४ प्रतिशत अरण,  
1980 की प्रतिमूलियों के रूप में स्वीकार किये जाएंगे। जैसे ही यह विविध  
होगा कि नकदी और परिवर्तन राशि के रूप में प्राप्त कुल अधिदान  
राशि अनुसार: ६५० करोड़ रुपयों (सांकेतिक) तक पहुँच गयी है, बिना  
सूचना दिये किन्तु किसी भी दशा में १९ जुलाई, 1980 को कारोबार  
समाप्त होते से पूर्व, इन निर्गमों को बदल कर दिया जायगा। सरकार को  
६५० करोड़ रुपयों से अधिक प्राप्त १० प्रतिशत तक के अधिदानों को  
रख लेने का अधिकार है।

2. यदि उपर्युक्त अरणों की कुल अधिदान राशि ७१५ करोड़ रुपयों  
(सांकेतिक) से अधिक हो तो नकदी में अधिदान करने वालों को आंशिक  
प्राप्तान्तर किया जाएगा। यदि नकदी में प्राप्त अधिदानों के संबंध में आंशिक  
प्राप्तान्तर किया जाता है तो प्राप्तान्तर के बाद यांत्रिक प्रानुपातिक राशि  
लौटा ही जाएगा। इस प्रकार लौटाई गयी राशि पर कोई व्याज अदा  
नहीं किया जाएगा।

3. ६० १००.०० प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला  
और 18 जुलाई 1990 को सममूल्य पर प्रतिशेष ६.५० प्रतिशत अरण,  
1990 ।

(i) वापसी अदायगी की तारीख अरण 18 जुलाई, 1990 को  
सममूल्य पर बापस अदा किया जाएगा।  
(ii) निर्गम मूल्य—प्रावेदित अरण के प्रत्येक रु. 100.००  
(सांकेतिक) का निर्गम मूल्य रु. 100.०० होगा।  
(iii) व्याज—इस अरण की व्याज दर 18 जुलाई, 1980 से बांधिक  
६.५० प्रतिशत होगी। प्रत्येक छमाही में १८ जनवरी और  
१८ जुलाई को व्याज अदा किया जाएगा। इस प्रकार अदा  
किये गये व्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद ८ और ९ के  
उपर्युक्तों के प्रधीन आय कर अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत  
कर लगेगा।

4. रु. 100.०० प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और  
१२ मई, 1998 को सममूल्य पर प्रतिशेष ७ प्रतिशत अरण, 1998 (दूसरा  
निर्गम)।

(i) वापसी अदायगी की तारीख—अरण 12 मई, 1998 को  
सममूल्य पर बापस अदा किया जाएगा।

(ii) निर्गम मूल्य—प्रावेदित अरण के प्रत्येक रु. 100.०० (सांकेतिक)  
का निर्गम मूल्य रु. 100.०० होगा।

(iii) व्याज—इस अरण की व्याज दर 18 जुलाई, 1980 से बांधिक  
७ प्रतिशत होगी। १८ जुलाई, 1980 से ११ नवम्बर, 1980  
(दोनों दिन मिलाकर) तक की अवधि का व्याज १२ नवम्बर,  
1980 को अदा किया जाएगा और उसके बाद प्रत्येक छमाही  
में १२ मई और १८ नवम्बर को व्याज अदा किया जाएगा।  
इस प्रकार अदा किये गये व्याज पर नीचे दिये गए अनुच्छेद  
८ और ९ के उपर्युक्तों के प्रधीन आयकर अधिनियम, 1961  
के अन्तर्गत कर लगेगा।

5. रु. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 12 मई 2010 को सममूल्य पर प्रतिवेद्य 7.50 प्रतिशत रुपये, 2010 (दूसरा निर्गम)।

(i) वापसी अदायगी की तारीख—रुपये 12 मई, 2010 को सममूल्य पर वापस अदा किया जाएगा।

(ii) निर्गम मूल्य—प्रावेदित रुपये के प्रत्येक रु. 100.00 (मांकेतिक) का निर्गम मूल्य रु. 100.00 होगा।

(iii) अवाज—इम रुपये की अवाज दर 18 जुलाई, 1980 से वार्षिक 7.50 प्रतिशत होगी। 18 जुलाई, 1980 से 11 नवम्बर, 1980 (शीतों विन मिलाकर) सकल की अधिनियम का अवाज 12 नवम्बर, 1980 को अदा किया जाएगा और उसके बाद प्रत्येक छातीही में 12 भर्ती और 12 नवम्बर को अवाज अदा किया जाएगा। इम प्रकार अदा किये गये अवाज पर भी दिये हए अनुच्छेद 8 और 9 के उपांगों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अन्वर्गीत कर लगेगा।

#### परिवर्तन की शर्तें

6. 4 प्रतिशत रुपये, 1980 की प्रतिभूतियों को सममूल्य पर नये रुपयों में परिवर्तित करने के लिए स्वीकार किया जाएगा।

परिवर्तन के लिए प्रस्तुत की गयी 4 प्रतिशत रुपये, 1980 की प्रतिभूतियों पर नयी प्रतिभूतियों जारी करने समय व्यापिक 4 प्रतिशत की दर पर 17 जुलाई, 1980 तक (उस तारीख को भी मिलाकर) अवाज अदा किया जायगा।

#### प्रस्तुत अवलोकन

7. अवाज अदा करने का स्थान—इन रुपयों पर भारतीय रिजर्व बैंक के अहमदाबाद, वांगनूर, बम्बई, कलकत्ता, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नवी विल्ली और पटना में स्थित भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यालयों, भारत में जम्मू और काशीगंगा तथा मिलिकम राज्यों को छोड़कर अन्यत्र किसी राजकोष या उप राजकीय में और जम्मू तथा श्रीनगर में स्थित केन्द्रीय सरकार के बैंक और लेखा कार्यालयों में अवाज अदा किया जाएगा।

8. अवाज अदा करने समय (आविक वित्त अधिनियमों द्वारा निर्धारित दरों पर) काटे गये कर की वापसी अदायगी उन रुपये द्वारा जारी की जिन पर ऐसी दरों पर दर से कम होता है जो काटे गये कर की दर से कम होती है।

जो धारक कर पाते नहीं हैं या निर्धारित दर से कम दर पर काटा गया है वह जिसे के आयकर अधिकारी को आवेदन कर उनमें एक दरेंगा प्रमाण-पत्र प्राप्त कर सकता है जिसमें यह प्राधिकृत किया गया हो कि कर की कौटी किये बिना या धारक पर लागू होने वाली स्थूलतर दर पर कर की कौटी कर उसे अवाज अदा किया जाए।

9. अब जारी किये जाने वाले मध्ये रुपयों पर और इसके पहले की अन्य सरकारी प्रतिभूतियों पर मिलने वाले अवाज तथा आय अन्तर्राष्ट्रीय निवेशों से मिलने वाली आय को वार्षिक 3,000 रुपयों की सीमा तक और आयकर अधिनियम, 1961 की आगा 800 के अन्य उपचर्यों के अधीन आयकर से छूट प्राप्त होगी।

#### आवेदन-पत्र का फार्म

मैं/हम\*.....इसके साथ दर. ....(..... लिए जाने वाले रुपये) के लिए  
नकदी\*.....  
...../रु. ....के सांकेतिक मूल्य के भारत सरकार के 4 प्रतिशत रुपये, 1980 की प्रतिभूतियों\* प्रस्तुत करता हूँ/करने हैं\* और वह  
चेक\*

अनुरोध करता हूँ/करते हैं\* कि मुझे/हमें\* नीचे उल्लिखित मूल्य वर्ग/मूल्य बगौं में \_\_\_\_\_ के रूप में ..... रुपयों के  
सांकेतिक मूल्य के 6.50 प्रतिशत रुपये, 1990\*/7 प्रतिशत रुपये, 1998 (दूसरा निर्गम)\*/7.50 प्रतिशत रुपये, 2010 (दूसरा निर्गम)\* की प्रतिभूतियों

जारी की जाएँ:—

प्रति वचनपत्र रु. ....का (के).....  
प्रति वचनपत्र रु. ....का (के).....  
प्रति वचनपत्र रु. ....का (के).....

10. अब जारी किये जाने वाले रुपयों में किये जाने वाले निवेशों के मूल्य, इसके पहले सरकारी प्रतिभूतियों में किये गये अन्य निवेशों और सम्पत्ति कर अधिनियम की धारा 5 में निर्विष्ट अन्य निवेशों के मूल्य को भी 1,50,000 रुपयों की सीमा तक समति कर से छूट प्राप्त होगी।

11. प्रतिभूतियों निम्नलिखित के रूप में जारी की जाएँगी:—

(i) स्टाक प्रमाणपत्र, या

(ii) वचनपत्र।

यदि आवेदक इनमें से किसी का उल्लेख न करें तो उन्हें वचनपत्रों के रूप में प्रतिभूतियों जारी की जाएँगी।

12. रुपयों के लिए आवेदन-पत्र—रुपयों के लिए आवेदन-पत्र रु. 100 या उसके गुणवत्तों के लिए होने चाहिए।

13. आवेदन-पत्र निम्नलिखित कार्यालयों में स्वीकार किये जाएँगे:—

(क) अहमदाबाद, बंगलूर, बम्बई (फोर्ट और भायदला), कलकत्ता, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नवी विल्ली और पटना में स्थित भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यालय; और

(ख) उपर्युक्त (क) में दिये गये स्थानों को छोड़कर भारत में अन्य सभी स्थानों पर भारतीय स्टेट बैंक की शाखाएँ।

14. आवेदन-पत्र इसके माथ संलग्न फार्म में या किसी ऐसे दूसरे फार्म में होने चाहिए जिसमें प्रतिभूतियों की राशि और विवरण, आवेदक के पूरे नाम और पैन तथा उस कार्यालय का स्पष्ट उल्लेख हो जहाँ आवेदक अवाज की अपेक्षा करता हो।

15. आवेदन-पत्रों के भाष्य आवश्यक राशि नकदी या बैंक या परिवर्तन के लिए प्रस्तुत 4 प्रतिशत रुपये, 1980 की प्रतिभूतियों के रूप में प्रेषित की जानी चाहिए। भारतीय रिजर्व बैंक या भारतीय स्टेट बैंक के कार्यालय में प्रस्तुत किये जाने वाले चेक सम्बन्धित बैंक के नाम आहरित किये जाने चाहिए।

परिवर्तन के लिए प्रस्तुत प्रतिभूतियों के सम्बन्ध में उनके धारक को चाहिए कि यह—

(i) स्टाक प्रमाणपत्रों के मामले में, प्रमाणपत्र के पीछे दिये गये अन्तरण विनेश के फार्म पर किसी साक्षी के समक्ष हस्ताक्षर करें;

(ii) वचनपत्रों के मामले में, उन्हें निम्न प्रकार पृष्ठांकित कर, “भारत के राष्ट्रपति को अवा करें”।

उन्हें मरकार को अन्तरित कर दें।

16. स्वीकृत शीकों और इनामों को उनके द्वारा प्रस्तुत और उनकी मोहरयुक्त रुपये-आवेदन-पत्रों पर किये गये धार्बांटनों पर प्रति रु. 100.00 (मांकेतिक) 6 पैसे की दर पर दलाली अदा की जाएँगी।

दालाली की अदायगी के लिए रुपये जारी किये जाने की तारीख से उँचीने के भीतर अदायगी कार्यालयों में दाला देगा किया जाना चाहिए।

राष्ट्रपति के धारेश से, प्रधिमेश चन्द्र तिवारी, संयुक्त सचिव

2 मी/क्रग\* आहता है/आहत है\* कि उनका व्याप्र में अवाक्या जाए।

विशेष टिप्पणी इस आने में आवेदक कुछ न लिखे।  
सारी प्रविष्टियां एक ऋण कार्यालय द्वारा की जाएंगी।

	छाटे हस्ताक्षर	दिवांक
आवेदन पत्र सं०	• . .	• . .
"बलाली नहीं" मुद्रा	• . .	हस्ताक्षर . . . . .
नकदी प्राप्त होने की तारीख	• . .	पूरा (पूरे) नाम . . . . .
बैंक बंसूल होने की तारीख . . . .	• . . .	पता . . . . .
विशेष चालू आते में जमा किया गया . . . .	• . . .	• . . . .
बांच की गयी . . . . .	• . . . .	• . . . .
नकदी आवेदन पत्रों के रजिस्टर में दर्ज किया गया	• . . . .	• . . . .
बलाली रजिस्टर में दर्ज किया गया	• . . .	• . . . .
मांग पत्र संख्या . . . . .	• . . .	• . . . .
प्रतिशूलि संख्या . . . . .	• . . .	• . . . .
कार्ड सं० . . . . .	• . . . .	• . . . .
वाउचर पारित करने की तारीख . . . . .	• . . . .	विनांक जुलाई, 1980।

\*जो आवश्यक न हो उसे काट दिया जाए।

₹० 100, ₹० 200, ₹० 500, ₹० 1,000, ₹० 5,000 ₹० 10,000, ₹० 25,000, ₹० 50,000 और ₹० 1,00,000 के मूल्य रुपों में बचनपत्र जारी किये जाएंगे। जो मूल्य वर्ग प्रभेक्षित हो उसका उल्लेख यहां किया जाए।

टिप्पणी (1) परिवर्तन के लिए प्रस्तुत प्रतिशूलिया यदि बचनपत्रों के रूप में हो तो उन्हें आवेदक के हस्ताक्षरी महित इन रुपों के साथ पृष्ठाक्रित किया जाए, "भारत के गान्धीपति को भ्राता करें" और यदि वे स्टाक प्रमाणपत्रों के रूप में हो तो उनके पीछे दिये गये अनरण विलेख पर आवेदक किसी साक्षी के समक्ष हस्ताक्षर करे।

(2) प्रत्येक ऋण, अधिदान के प्रत्येक प्रकार और अपेक्षित नये ऋण की प्रत्येक प्रकार की प्रतिशूलि (स्टाक प्रमाणपत्र या बचनपत्र) के लिए अलग अलग आवेदन किया जाए।

(3) यदि आवेदक के हस्ताक्षर अग्रहे के निशान के रूप में हो तो दो व्यक्ति उसके साक्षी हों। साक्षियों के हस्ताक्षरों के नीचे उनके पूरे नाम, व्यवसाय और पते दिये जाए।

(4) यदि आवेदन किसी पंजीकृत निकाय के नाम से किया जाए तो निवेश आवेदन पत्र के साथ निम्नलिखित दस्तावेज, यदि वे लोक ऋण कार्यालय में पहसु ही पंजीकृत न किये गये हो तो सलग किये जाए-

- निगमन/पंजीकरण का मूल प्रमाणपत्र या कार्यालय के मुद्राक के अधीन जारी करने वाले प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित उसकी प्रतिलिपि।
- कपनी/निकाय के जापन पत्र और अन्तिम या नियमों और विनियमों/उप-नियमों की प्रमाणित प्रतिलिपियां।
- कपनी/निकाय की ओर से सरकारी प्रतिशूलियों का लेनदेन करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति(यों) के पक्ष में किये गये सकला की प्रमाणित प्रतिलिपि, उमके/उनके, विधिवत् सत्यापित नमूना हस्ताक्षर/हस्ताक्षरों के साथ।

(5) जो आवेदक स्टाक प्रमाणपत्रों के रूप में प्रतिशूलिया प्राप्त करना चाहते हैं, उन्हें उमाही व्याज के प्रेषण के लिए (लोक ऋण कार्यालय में उपलब्ध) प्राप्त फार्म भी भरना चाहिए।

**MINISTRY OF FINANCE**  
**(Department of Economic Affairs)**

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 3rd July, 1980

No F. 4(5)-W&M/80.—Subscriptions for the issues of 6.50 per cent Loan, 1990, 7 per cent Loan, 1998 (Second Issue) and 7.50 per cent, Loan, 2010 (Second Issue) will be received from the 18th July, 1980. Subscriptions will be

received in the form of cash or of securities of Government of India 4 per cent Loan, 1980 and the issues will be closed without notice as soon as it appears that the total subscriptions in cash and conversion amount approximately to Rs. 650 crores (Nominal) and in any case not later than the close of business on the 19th July 1980. Government reserve the right to retain subscriptions received upto 10 per cent, in excess of the sum of Rs. 650 crores.

2 If the total subscriptions to the aforesaid loans exceed the sum of Rs. 715 crores (Nominal), partial allotment will

be made to the subscribers in cash. If partial allotment is made in respect of subscriptions received in cash, a proportionate refund will be made as soon as possible after allotment. No interest will be paid on the amounts so refunded.

3. 6.50 per cent. Loan, 1990 issued at Rs. 100.00 per cent. and redeemable at par on the 18th July, 1990.

(i) Date of repayment.—The Loan will be repaid at par on the 18th July 1990.

(ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the Loan applied for.

(iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 6.50 per cent. per annum from 18th July 1980. Interest will be paid half-yearly on the 18th January and 18th July. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 8 and 9 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

4. 7 per cent. Loan, 1998 (Second Issue) issued at Rs. 100.00 per cent. and redeemable at par on the 12th May 1998.

(i) Date of repayment.—The Loan will be repaid at par on the 12th May 1998.

(ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the Loan applied for.

(iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 7 per cent. per annum from 18th July 1980. Interest for the period 18th July 1980 to 11th November 1980 (inclusive) will be paid on the 12th November 1980 and thereafter interest will be paid half-yearly on the 12th May and 12th November. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 8 and 9 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

5. 7.50 per cent. Loan, 2010 (Second Issue) issued at Rs. 100.00 per cent. and redeemable at par on the 12th May 2010.

(i) Date of repayment.—The Loan will be repaid at par on the 12th May 2010.

(ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the Loan applied for.

(iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 7.50 per cent. per annum from 18th July 1980. Interest for the period 18th July 1980 to 11th November 1980 (inclusive) will be paid on the 12th November 1980 and thereafter interest will be paid half-yearly on the 12th May and 12th November. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 8 and 9 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

#### CONVERSION TERMS

6. The securities of 4 per cent. Loan, 1980 will be accepted for conversion into the new loans at par.

Interest on the securities of 4 per cent. Loan, 1980 tendered for conversion will be paid at the rate of 4 per cent. per annum upto and inclusive of 17th July 1980 at the time of the issue of new securities.

#### SUPPLEMENTARY PROVISIONS

7. Place of payment of interest.—Interest on the Loans will be paid at the Public Debt Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bombay, Calcutta, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi and Patna, at any Treasury or Sub-Treasury elsewhere in India except the States of Jammu and Kashmir and Sikkim, and also at the Central Government's Pay and Accounts Offices at Jammu and Srinagar.

8. Refunds of tax deducted at the time of payment of interest (at the rates prescribed by the Annual Finance Act) will be obtainable by holders of the Loan who are not liable to tax or who are liable to tax at rates lower than the rate at which tax was deducted.

A holder who is not liable to tax or who is liable to tax at a rate lower than the prescribed rate, can obtain, on application, a certificate from the Income-tax Officer of the district, authorising payment of interest to him without deduction of tax or with deduction of tax at such lower rate as may be applicable to the holder.

9. Interest on all the loans now issued together with interest on other previous Government securities and income from other approved investments will be exempt from income-tax subject to a limit of Rs. 3,000 per annum and subject to the other provisions of section 80L of the Income-tax Act, 1961.

10. The value of investments in the loans now issued together with the value of other previous investments in Government securities and the other investments specified in section 5 of the Wealth Tax Act will also be exempt from the Wealth tax upto Rs. 1,50,000.

11. The securities will be issued in the form of—

- (i) Stock Certificates, or
- (ii) Promissory Notes.

If no preference is stated by the applicants, the securities will be issued in the form of Promissory Notes.

12. Applications for the loans.—Applications for the loans must be for Rs. 100 or a multiple of that sum.

13. Applications will be received at—

- (a) Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bombay (Fort and Byculla), Calcutta, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi and Patna; and
- (b) Branches of the State Bank of India at all places in India except at (a) above.

14. Applications may be in the form attached hereto or in any other form which states clearly the amount and description of the securities required, the full name and address of the applicant and the office at which he desires the interest to be paid.

15. Applications should be accompanied by the necessary payment in the form of cash or cheque or securities of the 4 per cent. Loan, 1980 which are offered for conversion. Cheques tendered at the office of the Reserve Bank of India or the State Bank of India should be drawn in favour of the bank concerned.

The securities tendered for conversion must be transferred by the holder to the Government—

- (i) in the case of Stock Certificates, by signing the form of transfer deed on the reverse of the certificate before a witness,
- (ii) in the case of Promissory Notes, by endorsing them in the manner indicated below:

“Pay to the President of India”.

16. Brokerage will be paid at the rate of 6 paise per Rs. 100.00 (Nominal) to recognised banks and brokers on allotments made in respect of applications for the loans tendered by them and bearing their stamp.

The claim for payment of brokerage should be preferred at the paying offices within six months from the date of floatation of the loans.

By order of the President,  
A. C. TIWARI, Jt. Secy.

## FORM OF APPLICATION

I/We\*

[Full Name(s) in Block letters]

herewith

tender

\*Cash

Rs.

(Rupees)

\*Cheque for

/\*Securities of Government of India 4 per cent. Loan, 1980 of the nominal value of Rs. and request that securities of 6.50 per cent. Loan, 1990\*/7 per cent. Loan, 1998 (Second Issue)\*/7.50 per cent. Loan, 2010 (Second Issue)\* of the nominal value of Rs.

Promissory Note(s) :-

may be issued to me/us\* in the form of

Stock Certificate

in the denomination(s) stated below :-

Promissory Note(s) of Rs.

each

Promissory Note(s) of Rs.

each

2. I/We\* desire that interest be paid at

N.B.—The applicant should not write any thing in this cage.  
The entries will be filled in by the Public Debt Office.

Signature (s)

Name(s) in full

(Block Letters)

	Initials	Date		
Application No.				
N.B. Stamp				
Cash received on				Address
Chuqe realised on				
Credited to Special Current Account on				
Examined				
Cash Application Register posted				Dated the _____ of July 1980.
Brokerage Register posted				
Indent No.				
Scrip No.				
Card No.				
Voucher passed on				

\*Delete what is not required.

+Promissory Notes will be issued in denominations of Rs. 100, Rs. 200, Rs. 500, Rs. 1000, Rs. 5,000, Rs. 10,000, Rs. 25,000, Rs. 50,000 and Rs. 1,00,000. State here the particular denomination(s) required.

**Notes.**—(1) Securities tendered for conversion should be endorsed with the words "Pay to the President of India" over the signature of the applicant, if they are in the form of Promissory Notes, and the transfer deed on the reverse should be signed by him before a witness, if they are in the form of Stock Certificates.

should be enclosed with the investment application:

(2) Separate applications should be made for each Loan, each form of subscription and each form of scrip (Stock Certificate or Promissory Note) of the new Loan required.

(i) Certificate of Incorporation/Registration in original or a copy thereof certified as true by the issuing authority under his office seal.

(3) If the applicant's signature is by thumb mark, it should be witnessed by two persons. The full names, occupations and addresses of the witnesses should be appended to their signatures.

(ii) Certified copies of Memorandum and Articles of Association or the Rules and Regulations/Bye-Laws of the company/body.

(4) If the application is made in the name of the registered body, the undernoted documents, if not already registered at the Public Debt Office,

(iii) Certified copy of resolution in favour of the person/s authorised to deal in Government securities on behalf of the company/body together with his/their duly attested specimen signature(s).

(5) Applicants desiring the issue of scrips in the form of Stock Certificates should also complete a Mandate Form (obtainable from Public Debt Office) for remittance of half-yearly interest to them.

